अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 संख्या 122 श्री विजय पुरम, शनिवार, 09 मई 2026 web: dt.andamannicobar.gov.in 2.00 रूपए

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व–1000 वर्षों की धैर्यशीलता और अटूट आस्था

सोमनाथ में आयोजित 11 मई, 2026 को राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम के लाइव प्रसारण के साथ श्री विजय पुरम के मज़ार पहाड़ स्थित शिव मंदिर में प्रशासन द्वारा राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा

राज्य स्तरीय कार्यक्रम के अंतर्गत कलश यात्रा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे

श्री विजय पुरम, 8 मई

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व–1000 वर्षों की धैर्यशीलता और अटूट आस्था' के उपलक्ष्य में 11 जनवरी, 2026 से 11 जनवरी, 2027 तक वर्षभर चलने वाले राष्ट्रीय समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह ऐतिहासिक अवसर वर्ष 1026 ईस्वी में सोमनाथ पर हुए प्रथम आक्रमण के 1000 वर्ष तथा मई, 1951 में मंदिर के पुनर्निर्माण एवं उद्घाटन के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मनाया जा रहा है।

सोमनाथ मंदिर भारत की आध्यात्मिक निरंतरता और अदम्य राष्ट्रीय चेतना का एक अमिट प्रतीक है। बदलते साम्राज्यों और सदियों के उतार–चढ़ाव के बीच यह मंदिर बार–बार विध्वंस और पुनर्निर्माण का साक्षी रहा है, और प्रत्येक पुनर्निर्माण ने भारतीय जनमानस की आस्था, धैर्यशीलता और सांस्कृतिक पहचान को पुनः स्थापित किया है। एक पवित्र तीर्थस्थल से कहीं बढ़कर, सोमनाथ उस सभ्यता की शक्ति का प्रतीक है जो अपनी जड़ों को कभी नहीं भूलती, विपरीत परिस्थितियों से और अधिक .ढ़ संकल्प के साथ उभरती है तथा आने वाली पीढ़ियों को अपनी विरासत और राष्ट्रीय गौरव को संरक्षित रखने की प्रेरणा देती है। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व 1000 वर्षों की अखंड आस्था का स्मरणोत्सव है और इसे सार्थक सांस्कृतिक सहभागिता के एक ऐसे मंच के रूप में परिकल्पित किया गया है, जो न केवल राष्ट्रीय पहचान को सुढ़ करता है बल्कि भारत की समृद्ध एवं विविध सांस्कृतिक विरासत के प्रति गहरा सम्मान भी विकसित करता है।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भारत की ऐतिहासिक यात्रा के दो महत्वपूर्ण पड़ावों को चिह्नित करता है–वर्ष 1026 में सोमनाथ मंदिर पर हुए प्रथम दर्ज़ आक्रमण के एक हजार वर्ष तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात वर्ष 1951 में पुनर्निर्मित मंदिर के पुनः उद्घाटन के पचहत्तर वर्ष। इस राष्ट्रव्यापी समारोह के अंतर्गत अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन का कला एवं संस्कृति विभाग 11 मई, 2026 को सोमनाथ में आयोजित भव्य राष्ट्रीय कार्यक्रम के साथ समन्वय स्थापित करते हुए राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन करेगा।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन सुबह 9.30 बजे से यहां के मज़ार पहाड़ स्थित शिव मंदिर में किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत फ्लैग प्वाइंट के समीप स्थित अय्यनार मंदिर से 'कलश यात्रा' निकाली जाएगी, जिसमें महिलाओं एवं विभिन्न सामुदायिक समूहों की व्यापक सहभागिता रहेगी। यह यात्रा शिव मंदिर, मज़ार पहाड़ में सम्पन्न होगी। इस अवसर के अनुरूप सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। सोमनाथ में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया जाएगा, जिसे मंदिर परिसर में उपस्थित जनसमूह द्वारा देखा जाएगा।

प्राप्त विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह स्मरणोत्सव केवल सोमनाथ की अमर विरासत को श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर नहीं है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक शक्ति और एकता की पुनर्पुष्टि भी है। सभी नागरिकों से इस समारोह में सक्रिय रूप से भाग लेने तथा इस ऐतिहासिक अवसर को द्वीपसमूह के लिए स्मरणीय बनाने का अनुरोध किया गया है।

14 गोताखोर, 22 मीटर: पानी के भीतर सबसे ऊंची मानव श्रृंखला बनाकर अण्डमान द्वीपसमूह ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह ने पानी के भीतर सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के एक दिन बाद एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए नया अंडरवाटर विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है। यह नवीनतम उपलब्धि स्वराज द्वीप में दर्ज़ की गई, जहां स्कूबा डाइवर्स की एक टीम ने 3 मई को लाइटहाउस डाइव साइट पर पानी के भीतर सबसे ऊंची मानव श्रृंखला (ह्यूमन स्टैक) बनाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया।

चौदह गोताखोरों ने 22.3 मीटर ऊंची ऊर्ध्वाधर मानव श्रृंखला बनाकर इस उपलब्धि को अंज़ाम दिया। इस संरचना को पानी के भीतर लगातार तीन मिनट तक बनाए रखा गया। यह पहल द्वीपसमूह को स्कूबा डाइविंग और अंडरवाटर पर्यटन के प्रमुख गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी।

इस डाइव का नेतृत्व अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल एवं द्वीप विकास एजेंसी के उपाध्यक्ष एडमिरल डी. के. जोशी, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अ.प्रा.) ने किया, जिन्होंने स्वयं भी इस रिकॉर्ड प्रयास में भाग लिया।

इस उपलब्धि का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। एक इंस्टाग्राम उपयोगकर्ता ने लिखा, "ग्रेट... 21.3 मीटर के नीचे खड़ा होना ही अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है और उस पर समय सीमा बनाए रखना तो सोने पर सुहागा है... बिल्कुल शानदार... प्यारा भारत। मेरा भारत महान।" एक अन्य ने टिप्पणी की, "यह बहुत गर्व का क्षण है।" वहीं तीसरे उपयोगकर्ता

ने प्रतिक्रिया दी, "अण्डमानी होने पर गर्व है। अद्भुत उपलब्धि हासिल की गई है।"

यह उपलब्धि 2 मई को हुए एक अन्य रिकॉर्ड कार्यक्रम के अगले दिन प्राप्त हुई, जब राधानगर तट पर पानी के भीतर 60 ग 40 मीटर आकार का सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया था। दोनों कार्यक्रम अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा क्षेत्र की समुद्री सुंदरता और साहसिक पर्यटन क्षमता को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से आयोजित किए गए थे।

रिपोर्ट के अनुसार, इस रिकॉर्ड प्रयास में पर्यटन विभाग, अण्डमान तथा निकोबार पुलिस, वन विभाग, भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल सहित विभिन्न डाइविंग केंद्रों के गोताखोरों का सहयोग प्राप्त हुआ। (स्रोतः **https://indianexpress.com/**)

दक्षिण अण्डमान ज़िला परिषद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने ली शपथ

श्री विजय पुरम, 8 मई

दक्षिण अण्डमान ज़िला परिषद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष, मनारघाट निर्वाचन क्षेत्र से श्री पी. उमर तथा उपाध्यक्ष, आर.के. पुर, लिटिल अण्डमान निर्वाचन क्षेत्र से श्री आशामंजा हलदर का शपथ ग्रहण समारोह आज दक्षिण अण्डमान ज़िला परिषद के 'अटल भवन' स्थित सम्मेलन कक्ष में आयोजित किया गया।

दक्षिण अण्डमान ज़िले की उपायुक्त श्रीमती पूर्वा गर्ग (आईएएस) ने अधिकारियों, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, ज़िला परिषद सदस्यों एवं आमजन की उपस्थिति में दोनों जनप्रतिनिधियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

समारोह को संबोधित करते हुए नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने आश्वासन दिया कि भारत सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं को पूर्ण निष्ठा एवं प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा। उन्होंने ग्रामीण विकास गतिविधियों को सुदृढ़ करने तथा सार्वजनिक धन का समुचित उपयोग सुनिश्चित कर दक्षिण अण्डमान के ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत लोगों के समग्र कल्याण एवं विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई।

अपने संबोधन में निवर्तमान अध्यक्ष श्री प्रकाश अधिकारी ने दक्षिण अण्डमान के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों को सफलतापूर्वक पूर्ण करने हेतु पूर्ण सहयोग एवं समर्थन का आश्वासन दिया।

दक्षिण अण्डमान ज़िला परिषद द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, दक्षिण अण्डमान ज़िला परिषद, श्री राजनीश सिंह (आईएएस) ने भी ग्रामीण जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने हेतु ज़िला परिषद सदस्यों द्वारा दिखाई गई सक्रिय रुचि एवं सामूहिक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने दक्षिण अण्डमान ज़िला परिषद के अधिकारियों द्वारा विभिन्न विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों के क्रियान्वयन में किए जा रहे समर्पित एवं ईमानदार प्रयासों की भी प्रशंसा की।

शहीद द्वीप में पैरासेलिंग संचालन के संबंध में आवेदन आमंत्रित

श्री विजय पुरम, 8 मई

सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा पात्र पर्यटन हितधारकों, जलक्रीड़ा संचालकों एवं नौका संचालकों से शहीद द्वीप में पैरासेलिंग गतिविधियों के संचालन हेतु पंजीकरण/अनुमति के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

विभिन्न पर्यटन स्थलों पर विशिष्ट पर्यटन श्रेणी के अंतर्गत मनोरंजन एवं अवकाश आधारित जलक्रीड़ा गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय द्वारा भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय जलक्रीड़ा संस्थान (एनआईडब्ल्यूएस), गोवा के माध्यम से अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह जलक्रीड़ा दिशा–निर्देश, 2015 के अनुरूप व्यापक "जोखिम मूल्यांकन एवं सुरक्षा लेखा परीक्षण" कराया गया है।

शहीद द्वीप में निम्नलिखित अपतटीय क्षेत्रों को पैरासेलिंग गतिविधियों हेतु चिन्हित किया गया है:

- लक्ष्मणपुर तट संख्या–1 (अपतटीय क्षेत्र)
- लक्ष्मणपुर तट संख्या–2 (अपतटीय क्षेत्र)
- रामनगर तट (अपतटीय क्षेत्र)

सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इच्छुक आवेदकों को निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेज़ों सहित प्रस्तुत करना होगा और अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह जलक्रीड़ा दिशा–निर्देश, 2015 के अंतर्गत निर्धारित पात्रता मानदंडों एवं सुरक्षा आवश्यकताओं को पूर्ण करना अनिवार्य होगा। विस्तृत दिशा–निर्देश, आवेदन प्रारूप, आवश्यक दस्तावेज़ों की जांच सूची तथा नियम एवं शर्तें सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के एडवेंचर वाटरस्पोर्ट्स अनुभाग से प्राप्त किए जा सकते हैं।

जल संकट से निपटने हेतु रटलैंड द्वीप से जल संग्रहण की वैकल्पिक व्यवस्था शुरू

नगरवासियों से पानी की अनावश्यक बर्बादी से बचने का अनुरोध

श्री विजय पुरम, 8 मई

बांध में जल स्तर 50 मीटर से नीचे चले जाने के कारण अण्डमान लोक निर्माण विभाग (एपीडब्ल्यूडी) द्वारा श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद (एसवीपीएमसी) को आपूर्ति किए जाने वाले जल की मात्रा में उल्लेखनीय कमी आई है। चल रहे गंभीर जल संकट से निपटने के लिए श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद ने 8 मई, 2026 से एमवी कालापानी बार्ज के माध्यम से रटलैंड द्वीप से जल संग्रहण की वैकल्पिक व्यवस्था प्रारंभ की है। अब तक लगभग 200 टन जल एकत्र कर एसवीपीएमसी के जल टैंकरों द्वारा लम्बालाइन जल शोधन संयंत्र तक पहुंचाया गया है, जहां इसके उपचार एवं वितरण की व्यवस्था की जा रही है।

एसवीपीएमसी वर्तमान जल संकट के प्रभाव को न्यूनतम करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है तथा इस कठिन समय में श्री विजय पुरम के निवासियों को अधिकतम संभव जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। एसवीपीएमसी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में आम जनता से प्रशासन का सहयोग करने, जल का विवेकपूर्ण उपयोग करने तथा किसी भी प्रकार की अनावश्यक बर्बादी से बचने का अनुरोध किया गया है।

पीएसटी, जीटीटी एवं पीजीटी के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण सम्पन्न

श्री विजय पुरम, 8 मई

डॉ. एस. राधाकृष्णन ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) तथा राज्य शिक्षा संस्थान, श्री विजय पुरम द्वारा अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के प्राथमिक विद्यालय शिक्षकों (पीएसटी), स्नातक प्रशिक्षित शिक्षकों (जीटीटी) एवं स्नातकोत्तर शिक्षकों (पीजीटी) हेतु "दक्षता आधारित अनुभवात्मक अधिगम" विषय पर आयोजित पांच दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम चरण का सफलतापूर्वक समापन 8 मई, 2026 को श्री विजय पुरम के विभिन्न स्थलों पर किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम चरण में सभी नौ शैक्षणिक अंचलों से कुल 205 प्राथमिक विद्यालय शिक्षकों तथा 236 स्नातक प्रशिक्षित एवं स्नातकोत्तर शिक्षकों ने भाग लिया। समापन समारोह में उप शिक्षा निदेशक (सर्व शिक्षा) एवं प्रधानाचार्या, राज्य शिक्षा संस्थान, श्रीमती संगीता चंद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अपने संबोधन में उन्होंने शिक्षकों के बीच दक्षता आधारित एवं अनुभवात्मक शिक्षण पद्धतियों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 'डाइट' एवं एसआईई द्वारा आयोजित इस गहन एवं सार्थक प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना की। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आरआईई), भुवनेश्वर, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आरआईई), नेल्लोर एवं मैसूर तथा सीबीएसई के प्रतिष्ठित संसाधन व्यक्तियों द्वारा महत्वपूर्ण शैक्षणिक सत्र आयोजित किए गए। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान आयोजित ज्ञानवर्धक सत्रों, व्यावहारिक प्रदर्शनों एवं संवादात्मक गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि इससे उनकी व्यावसायिक दक्षताओं एवं कक्षा शिक्षण पद्धतियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत अनुदान हेतु आवेदन आमंत्रित

श्री विजय पुरम, 8 मई

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के अंतर्गत लाभार्थी उन्मुख विभिन्न गतिविधियों हेतु अनुदान प्राप्त करने के लिए दक्षिण अण्डमान ज़िले के पात्र मछुआरों/मत्स्य कृषकों/मत्स्य श्रमिकों एवं मछली विक्रेताओं/मत्स्य विकास निगमों/स्वयं सहायता समूहों/मत्स्य क्षेत्र के संयुक्त देयता समूहों/मत्स्य सहकारी समितियों/मत्स्य महासंघों/उद्यमियों एवं निजी फर्मों/मत्स्य कृषक उत्पादक संगठनों/कंपनियों/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/महिलाओं तथा दिव्यांग व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

योजना के अंतर्गत अनुदान का प्रावधान सामान्य वर्ग के लाभार्थियों के लिए इकाई लागत का 40 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/महिला वर्ग के लाभार्थियों के लिए इकाई लागत का 60 प्रतिशत निर्धारित किया गया है।

क्र.सं.	घटक	इकाई लागत (रुपये लाख में)
1	खारे पानी की जलीय कृषि हेतु नए तालाब का निर्माण	8.00 प्रति हेक्टेयर
2	खारे पानी की जलीय कृषि हेतु निवेश	6.00 प्रति हेक्टेयर
3	नई मीठे पानी की फिन फिश हैचरी की स्थापना	25.00 प्रति इकाई
4	मछली विक्रय हेतु आइस बॉक्स सहित तिपहिया वाहन, ई–रिक्शा सहित	3.00
5	रेफ्रिजरेटेड वाहन (10 मीट्रिक टन)	25.00
6	इन्सुलेटेड वाहन (10 मीट्रिक टन)	20.00
7	10 टन क्षमता का आइस प्लांट/कोल्ड स्टोरेज	40.00
8	5 टन क्षमता का आइस प्लांट/कोल्ड स्टोरेज	10.00
9	आइस प्लांट/कोल्ड स्टोरेज का आधुनिकीकरण	30.00
10	नए पालन तालाबों (बीज पालन तालाब) का निर्माण	7.00 प्रति हेक्टेयर
11	नए ग्रो–आउट तालाबों का निर्माण	7.00 प्रति हेक्टेयर
12	मीठे पानी की जलीय कृषि हेतु निवेश, जिसमें मिश्रित मत्स्य पालन, पंगासियस, तिलापिया आदि शामिल हैं	4.00 प्रति हेक्टेयर
13	एक्वेरियम/सजावटी मछली कियोस्क सहित मछली कियोस्क का निर्माण	10.00
14	मछली मूल्य संवर्धन उद्यम इकाइयाँ	50.00
15	फिश फीड मिल : प्रतिदिन 2 टन उत्पादन क्षमता वाली मिनी मिलें	30.00
16	ओपन सी केज की स्थापना (100–120 घन मीटर क्षमता)	5.00
17	बैकयार्ड सजावटी मछली पालन इकाई (समुद्री एवं मीठे पानी दोनों)	3.00
18	मीठे पानी क्षेत्रों हेतु बायो–फ्लॉक तालाबों का निर्माण, जिसमें प्रति इकाई 8 लाख रुपये तक निवेश शामिल	14.00 प्रति हेक्टेयर
19	खारे/लवणीय/क्षारीय जल क्षेत्रों हेतु बायो–फ्लॉक तालाबों का निर्माण, जिसमें प्रति इकाई 8 लाख रुपये तक निवेश शामिल	18.00 प्रति हेक्टेयर
20	मत्स्य सेवा केंद्र	25.00
21	द्विपटलीय जीवों (मसल्स, क्लैम्स/मोती आदि) की खेती	0.20
22	लघु समुद्री फिन फिश हैचरी का निर्माण	50.00
23	लघु आरएएस बायो–फ्लॉक कल्चर प्रणाली की स्थापना (4 मीटर व्यास एवं 1.5 मीटर ऊँचाई वाले 7 टैंक)	7.50 प्रति इकाई
24	निर्यात क्षमता हेतु मौजूदा मत्स्य नौकाओं का उन्नयन	15.00
25	यंत्रीकृत मत्स्य नौकाओं में बायो–टॉयलेट की स्थापना	0.50
26	पारंपरिक मछुआरों हेतु गहरे समुद्र में मत्स्य पकड़ने वाली नौकाओं की खरीद के लिए सहायता	120.00
27	छोटे टैंक (एक टैंक 100 घन मीटर क्षमता) सहित लघु आरएएस की स्थापना	7.50 प्रति इकाई
28	पारंपरिक एवं मोटर चालित नौकाओं हेतु संचार एवं ट्रैकिंग उपकरण जैसे वीएचएफ/डीएटी/नाविक/ट्रांसपोंडर आदि	0.35

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इच्छुक आवेदक आवेदन पत्र तथा गतिविधियों से संबंधित विस्तृत जानकारी प्राप्त करने हेतु दक्षिण अण्डमान के आंचलिक मत्स्य कार्यालय अथवा निकटतम मत्स्य अवतरण केन्द्रों/मत्स्य उप–केन्द्रों से संपर्क कर सकते हैं। निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र संबंधित दस्तावेज़ों सहित दक्षिण अण्डमान के आंचलिक मत्स्य कार्यालय/निकटतम मत्स्य उप–केन्द्रों में 18 मई, 2026 तक अथवा उससे पूर्व जमा किए जा सकते हैं। किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु ई–मेल आईडी **ddzfo744101@gmail.com** अथवा दूरभाष संख्या 7908568839 पर संपर्क किया जा सकता है।

प्रशासनिक कारणों से जहाज़ों की यात्रा समय–सारणी में संशोधन

श्री विजय पुरम, 8 मई

आम जनों को सूचित किया गया है कि प्रशासनिक कारणों से जहाज़रानी सेवा निदेशालय द्वारा घोषित जहाज़ों की यात्रा समय–सारणी में संशोधन किया गया है। एमवी भारत सीमा के स्थान पर एमवी कालीघाट 14 मई, 2026 (गुरुवार) को सुबह 7 बजे श्री विजय पुरम से लिटिल अण्डमान, कार निकोबार, चावरा, तरेसा, कछाल, ननकौड़ी, मकाचुआ एवं अफ्रा बे होते हुए कैंपबेल बे के लिए प्रस्थान करेगी तथा 18 मई, 2026 (सोमवार) को सुबह 5 बजे कैंपबेल बे से उसी मार्ग से वापस श्री विजय पुरम पहुंचेगी। एमवी भारत सीमा 16 मई, 2026 को हैडो घाट से शाम 6.30 बजे के स्थान पर रात्रि 8 बजे मायाबंदर होते हुए डिगलीपुर के लिए प्रस्थान करेगी तथा 17 मई, 2026 को दोपहर 2 बजे डिगलीपुर से उसी मार्ग से श्री विजय पुरम के लिए रवाना होगी। एमवी सेंटिनल के स्थान पर एमवी कालीघाट 27 मई, 2026 (बुधवार) को सुबह 7 बजे श्री विजय पुरम से लिटिल अण्डमान, कार निकोबार, चावरा, तरेसा, कछाल एवं ननकौड़ी होते हुए कैंपबेल बे के लिए प्रस्थान करेगी तथा 30 मई, 2026 (शनिवार) को दोपहर 12 बजे कैंपबेल बे से उसी मार्ग से वापस श्री विजय पुरम पहुंचेगी।

लाइन क्लीयरेंस कार्य के चलते विभिन्न क्षेत्रों में कटेगी बिजली

श्री विजय पुरम, 8 मई

स्थानीय उपभोक्ताओं एवं सरकारी विभागों को सूचित किया गया है कि आगामी मानसून सत्र को ध्यान में रखते हुए एहतियाती उपाय के रूप में लाइन क्लीयरेंस कार्य किए जाने के कारण 9 मई, 2026 को सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक गाराचरामा फीडर को पृथक रखा जाएगा।

इस संबंध में लक्ष्मी मोटर्स, शिवाजी कॉलोनी, टीआर हाउसिंग, गाराचरामा बस्ती, सुसन रोज़, गाराचरामा मेडिकल, काली मंदिर, आईटीआई रोड, पंप हाउस, मुर्धा खाड़ी, आईएमएफसी तथा गाराचरामा फीडर के अंतर्गत आने वाले समस्त क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इसी प्रकार, लाइन क्लीयरेंस कार्य तथा सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने एवं विद्युत अवसंरचना को संभावित क्षति से बचाने हेतु इन लाइनों के निकट स्थित खतरनाक पेड़ों की कटाई के संबंध में पैंथर–1 एवं पैंथर–2 टाई लाइनों को पृथक किए जाने के कारण 9 मई, 2026 को सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक श्री विजय पुरम एवं आसपास के क्षेत्रों में भी बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

ऑयस्टर मशरूम उत्पादन पर फील्ड डे का आयोजन

नीम्बूडेरा, 8 मई

आईसीएआर–कृषि विज्ञान केन्द्र (केवीके), नीम्बूडेरा, उत्तर व मध्य अण्डमान द्वारा 7 मई, 2026 को केवीके परिसर में ऑयस्टर मशरूम उत्पादन विषय पर फील्ड डे कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों एवं कृषक महिलाओं को वैज्ञानिक ऑयस्टर मशरूम उत्पादन तथा टिकाऊ फसल अवशेष प्रबंधन के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम के दौरान गृह विज्ञान विषय विशेषज्ञ श्री यथार्थ शर्मा ने ऑयस्टर मशरूम उत्पादन के विभिन्न पहलुओं, जैसे सब्सट्रेट तैयारी, स्पॉनिंग, इनक्यूबेशन, फसल प्रबंधन, कटाई, स्वच्छता बनाए रखने तथा विपणन अवसरों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कृषि विज्ञान विशेषज्ञ (एग्रोनॉमी) डॉ. राकेश डावर भी कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रहे तथा उन्होंने प्रतिभागियों के साथ फसल अवशेष प्रबंधन पद्धतियों एवं टिकाऊ कृषि उपायों पर संवाद किया। यह कार्यक्रम आईसीएआर–सीआईएआरआई, श्री विजय पुरम के कार्यवाहक निदेशक श्री जय सुंदर के समग्र मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 20 किसानों एवं कृषक महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी करते हुए अपने खेतों में उपयोग हेतु महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

2.030 किलोग्राम गांजा ज़ब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

श्री विजय पुरम, 8 मई

द्वीपसमूह में मादक पदार्थों की तस्करी एवं नशीले पदार्थों से संबंधित गतिविधियों के विरुद्ध लगातार चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत एंटी–नारकोटिक्स पुलिस थाना ने एक और बड़ी सफलता प्राप्त करते हुए 7 मई, 2026 को श्री विजय पुरम स्थित वीएसआई हवाई अड्डे के पुराने टर्मिनल भवन के सामने निकास द्वार के पास विशेष अभियान चलाकर 2.030 किलोग्राम अवैध गांजा ज़ब्त किया तथा एक आरोपी को गिरफ्तार किया। विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर एंटी–नारकोटिक्स पुलिस थाना की एक समर्पित पुलिस टीम, जिसका नेतृत्व निरीक्षक के. बिनोज, थानाध्यक्ष, एंटी–नारकोटिक्स पुलिस थाना द्वारा किया गया, ने यह अभियान संचालित किया। टीम में प्रधान आरक्षक लक्ष्मण राव, (विशेष श्रेणी) तमिल सेल्वम तथा पुलिस आरक्षक तुलसी राव, बशारत अली एवं करुणा कांत पांडे शामिल थे। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना ज़िले के गोकरनी निवासी, स्वर्गीय नज़बुल गाज़ी के पुत्र 19 वर्षीय जमीरुद्दीन गाज़ी, जो निजी मजदूर है और 7 मई, 2026 को इंडिगो विमान से कोलकाता से श्री विजय पुरम पहुंचा था, को रोका। उसके सामान की तलाशी लेने पर उसके बैग के भीतर छिपाकर रखा गया 2.030 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के अंतर्गत सभी कानूनी औपचारिकताओं का पालन करते हुए मादक पदार्थ को ज़ब्त कर आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में आपूर्ति श्रृंखला की पहचान करने तथा अन्य सह–आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए जांच जारी है। यह छापेमारी श्रीमती सुमा मड्डा (दानिप्स), पुलिस उपाधीक्षक (नारकोटिक्स) के पर्यवेक्षण तथा श्री राजेश देव (आईपीएस), पुलिस उप महानिरीक्षक (सीआईडी), अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के समग्र पर्यवेक्षण में की गई।

यह सफल अभियान मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने तथा समाज को नशे के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखने के प्रति अण्डमान तथा निकोबार पुलिस की सतत प्रतिबद्धता एवं सतर्कता को दर्शाता है। अण्डमान तथा निकोबार पुलिस ने आमजन से सतर्क रहने तथा मादक पदार्थों की तस्करी अथवा नशीले पदार्थों के दुरुपयोग से संबंधित किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है। पुलिस ने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही एक सुरक्षित एवं नशामुक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है। ऐसी गतिविधियों की सूचना 112, 234216, 9434280055 एवं 9531856080 नंबरों पर दी जा सकती है।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

प्राथमिक स्वास्थ्य टीमों के लिए एकीकृत प्रशिक्षण मॉडल का शुभारंभ

नई दिल्ली, 08 मई।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल टीमों के लिए एकीकृत प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। यह पहल हाल ही में संपन्न 10वें राष्ट्रीय सम्मेलन "इनोवेशन एंड इन्क्लूसिविटी–बेस्ट प्रैक्टिसेज शेपिंग इंडियाज हेल्थ फ्यूचर" के दौरान शुरू की गई।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार इस कार्यक्रम का उद्देश्य बिखरे हुए प्रशिक्षण मॉडलों को एकीकृत कर एक सुसंगठित, दक्षता–आधारित ढांचे में बदलना है, जिससे देश की अग्रिम पंक्ति की स्वास्थ्य कार्यबल को आत्मविश्वासी, संवेदनशील और गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदाता बनाया जा सके। यह पहल अंतिम छोर तक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करेगी और प्रधानमंत्री के विकसित भारत 2047 के विजन को आगे बढ़ाएगी।

श्री नड्डा ने कहा कि यह केवल प्रशिक्षण सुधार नहीं है, बल्कि भारत के सार्वजनिक स्वास्थ्य भविष्य में एक रणनीतिक निवेश है। इससे न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ेगी, बल्कि उच्च स्तरीय संस्थानों पर बोझ कम होगा और जनता का स्वास्थ्य प्रणाली पर विश्वास भी मजबूत होगा।

मंत्रालय के अनुसार देश में आयुष्मान भारत कार्यक्रम के तहत स्थापित आयुष्मान आरोग्य मंदिर को रोकथाम, संवर्धन और उपचारात्मक देखभाल का केंद्र बनाया गया। जन आरोग्य समितियों, महिला आरोग्य समितियों, ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समितियों और आम शिविरों के माध्यम से गहरी सामुदायिक भागीदारी इस दृष्टिकोण की विशेषता रही है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस अवसर पर कहा कि सच्ची प्रगति जनकेंद्रित होती है। चिकित्सा विज्ञान में कितनी भी प्रगति हो, अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सुनिश्चित होनी चाहिए। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए यह प्रशिक्षण मॉडल स्वास्थ्यकर्मियों को रोकथाम, प्रारंभिक पहचान, उपचार और फॉलो–अप तक की संपूर्ण सेवाएं देने में सक्षम बनाएगा।

इस पहल की दो विशेषताएं हैं। पहली, यह सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यबल की क्षमता को संवेदनशील, उत्तरदायी और उच्च गुणवत्ता वाली देखभाल देने के लिए मजबूत करती है। दूसरी, यह उन महिलाओं को सशक्त करती है जो प्राथमिक स्वास्थ्य कार्यबल की रीढ़ हैं। आशा, एएनएम और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) सहित 70 प्रतिशत से अधिक कार्यबल महिलाएं हैं। प्रधानमंत्री ने हमेशा नारी शक्ति के महत्व पर बल दिया है और यह पहल उसी दृष्टि का मूर्त रूप है। डिजिटल प्लेटफॉर्म आईजीओटी कर्मयोगी के माध्यम से सतत् सीखने की सुविधा भी इस प्रशिक्षण का हिस्सा होगी, जिससे कार्यबल और अधिक अनुकूलनशील और भविष्य–तैयार बनेगा।

2020 से भारत के समुद्री क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी में 340 प्रतिशत की वृद्धि–केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन मंत्री

नई दिल्ली, 08 मई।

केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि 2020 से भारत के समुद्री क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी में 340 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने सरकार द्वारा एक अधिक समावेशी और भविष्य के लिए तैयार समुद्री कार्यबल बनाने के प्रयासों पर जोर दिया।

गुरुवार को नई दिल्ली में 10वें 'हिन्द महासागर संवाद' में मुख्य वक्तव्य देते हुए, सोनोवाल ने "नारी शक्ति" को भारत की समुद्री विकास गाथा के एक केंद्रीय स्तंभ के रूप में रेखांकित किया। सर्बानंद सोनोवाल ने कहा," 'सागर में सम्मान' जैसी पहलों के माध्यम से, हम समुद्री क्षेत्र में महिलाओं के लिए गरिमा, समावेशिता और आगे बढ़ने के अवसरों को बढ़ावा दे रहे हैं, जिसमें 2020 के बाद से लगभग 340 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।"

उन्होंने आगे कहा, "प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के गतिशील नेतृत्व में, समुद्री क्षेत्र में यह बदलाव हिंद महासागर क्षेत्र के लिए एक अधिक समावेशी, मजबूत और भविष्य के लिए तैयार कार्यबल तैयार करने में मदद कर रहा है।" केंद्रीय मंत्री ने महिलाओं की भागीदारी में आई इस वृद्धि को भारत के व्यापक समुद्री .ष्टिकोण के अंतर्गत रखा, जो आर्थिक विकास को सामाजिक सशक्तिकरण के साथ जोड़ता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा, कनेक्टिविटी और स्थिरता को बढ़ाने के प्रयासों के साथ–साथ, भारत की समुद्री रणनीति में "मानवीय पहलू" केंद्रीय भूमिका निभाता है।

सोनोवाल ने कहा "हिंद महासागर सिर्फ एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि एक वैश्विक जीवनरेखा है। वैश्विक ऊर्जा प्रवाह, व्यापार और आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए इसका महत्व, मजबूत सहयोग, लचीलेपन और समावेशिता की मांग करता है।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत की समुद्री पहलें प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं, जिनमें 'सागर' (सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फॉर आल इन द रीजन) और 'महासागर' जैसे फ्रेमवर्क शामिल हैं, जिनका उद्देश्य क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करना और समान विकास सुनिश्चित करना है।

आपको बता दें, 2025–27 के लिए हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (आईओआरए) के अध्यक्ष के रूप में भारत द्वारा आयोजित 10वें हिंद महासागर संवाद का विषय "बदलती दुनिया में हिंद महासागर क्षेत्र" रखा गया है। यह मंच समुद्री सुरक्षा, ब्लू इकोनॉमी, आपदा जोखिम प्रबंधन और महिला सशक्तिकरण पर विचार–विमर्श करने के लिए मंत्रियों, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और उद्योग जगत के नेताओं को एक साथ लाता है।

भारत की स्कूली शिक्षा व्यवस्था के लिए नीति आयोग ने जारी किया विस्तृत पॉलिसी रोडमैप

नई दिल्ली, 08 मई।

नीति आयोग ने एक पॉलिसी रिपोर्ट जारी की है, जिसमें भारत की स्कूली शिक्षा व्यवस्था का पिछले एक दशक का व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। इस रिपोर्ट में पहुंच और नामांकन, बुनियादी ढांचा, समानता और समावेशन, तथा सीखने के परिणाम जैसे प्रमुख पहलुओं का अध्ययन किया गया है। यह घोषणा गुरुवार को की गई। नीति आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी निधि छिब्बर ने 'स्कूल एजुकेशन सिस्टम इन इंडिया– टेम्पोरल एनालिसिस एंड पॉलिसी रोडमैप फॉर क्वालिटी एन्हांसमेंट' शीर्षक वाली रिपोर्ट जारी की।

इनमें से 8 व्यवस्थागत सिफारिशों में संयुक्त स्कूलों और साक्ष्य–आधारित तर्कसंगत व्यवस्था के जरिए स्कूल संरचना में सुधार, स्कूल बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, प्रशासनिक सुधार और क्षमता निर्माण, स्कूल गुणवत्ता के लिए राज्य और जिला स्तरीय टास्क फोर्स का गठन, स्कूल प्रबंधन समितियों को सशक्त बनाना, शिक्षकों की नियुक्ति और पेशेवर विकास को बढ़ावा देना, डिजिटल और प्रसारण–आधारित शिक्षा का विस्तार, तथा समानता और समावेशन को प्रोत्साहित करना शामिल है।

नीति आयोग के एक बयान के अनुसार, 5 शैक्षणिक सिफारिशों में शिक्षण पद्धति, मूल्यांकन और बुनियादी शिक्षा में बदलाव, समग्र शिक्षा और विद्यार्थियों के कल्याण पर जोर, व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास को नए रूप में लागू करना, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा को मजबूत करना, तथा शिक्षण में नवाचार के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को शामिल करना शामिल है।

इतिहास के पन्नों में 09 मई: महात्मा गांधी के राजनीतिक गुरु का जन्म

नई दिल्ली, 08 मई।

इतिहास में 09 मई के नाम पर कई ऐतिहासिक घटनाएं दर्ज हैं, उनमें एक अहम खड़ी है महात्मा गांधी के राजनीतिक गुरु और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में शामिल गोपाल कृष्ण गोखले का जन्म। 09 मई 1866 को तत्कालीन बंबई प्रेसिडेंसी के महाराष्ट्र के रत्नागिरि जिले में गोखले जी का जन्म हुआ था। वे एक महान स्वतंत्रता सेनानी, समाजसेवी, शिक्षाविद और उदारवादी विचारक के रूप में देश के इतिहास में विशेष स्थान रखते हैं।

गोखले ने मुंबई के एल्फिंस्टन कॉलेज से स्नातक की शिक्षा प्राप्त की। शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने सार्वजनिक जीवन में कदम रखा और सामाजिक व राजनीतिक सुधारों के लिए सक्रिय हो गए। वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रमुख नरमपंथी नेताओं में गिने जाते थे। वर्ष 1890 में कांग्रेस से जुड़ने के बाद उन्होंने संवैधानिक तरीकों से देश में सुधार और स्वशासन की मांग को मजबूती से उठाया।

गोखले 1899 में बंबई विधानसभा तथा 1902 में इम्पीरियल विधान परिषद के सदस्य चुने गए। वे प्रसिद्ध समाज सुधारक महादेव गोविंद रानाडे के शिष्य थे और चरित्र निर्माण को राष्ट्र निर्माण का आधार मानते थे। इसी सोच के साथ उन्होंने 1905 में सर्वेंट्स ऑफ द इंडिया सोसायटी की स्थापना की। इस संस्था का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र सेवा और सार्वजनिक जीवन के लिए तैयार करना था।

गोखले आधुनिक शिक्षा और वैज्ञानिक सोच के समर्थक थे। उनका मानना था कि भारत के विकास के लिए तकनीकी और वैज्ञानिक शिक्षा बेहद जरूरी है। वे सामाजिक समरसता, शिक्षा और राजनीतिक जागरूकता के माध्यम से देश को आगे बढ़ाने के पक्षधर थे।

महात्मा गांधी ने गोपाल कृष्ण गोखले को अपना राजनीतिक गुरु माना था। दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों के अधिकारों के लिए गांधीजी द्वारा चलाए जा रहे आंदोलन में भी गोखले ने गहरी रुचि दिखाई। जब गांधीजी दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे, तब गोखले के मार्गदर्शन में ही उन्होंने देश सेवा की दिशा में अपने कदम आगे बढ़ाए।

उदारवादी विचारधारा के अग्रणी नेता गोपाल कृष्ण गोखले का 1915 में निधन हो गया, लेकिन भारतीय राजनीति और समाज सुधार में उनका योगदान आज भी प्रेरणास्रोत माना जाता है।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र–1502 – दुनिया के सबसे बड़े खोजी यात्री और नयी दुनिया के खोजकर्ता माने जाने वाले क्रिस्टोफर कोलंबस ने एशिया का रास्ता तलाश करने के लिए स्पेन के कादिज से अपनी चौथी यात्रा शुरू की।

1540– कई सालों तक मुगल शासक अकबर से संघर्ष करने वाले मेवाड़ के महाराणा प्रताप का जन्म।

1653– विश्वविख्यात ऐतिहासिक इमारत और दुनिया के अजूबों में शुमार ताजमहल का निर्माण 22 वर्ष के निरंतर परिश्रम के बाद पूरा हुआ।

1689– अंग्रेज शासक विलियम तृतीय ने फ्रांस के साथ युद्ध की घोषणा की।

1874 – बंबई (अब मुंबई) में पहली बार घोड़े से खींची जाने वाली ट्राम कार शुरू हुई।

1946 – डॉ. राम मनोहर लोहिया की अगुआई में गोवा में पुर्तगाल के शासन के खिलाफ पहला सत्याग्रह आंदोलन शुरू हुआ।

1960 – अमेरिका के खाद्य और औषधि प्रशासन ने पहली गर्भनिरोधक गोली को मंजूरी दी।

1975 – पहली विद्युत टंकण मशीन बनायी गयी।

1993 – दक्षिण अमेरिकी देश इक्वाडोर के नाम्बिजा क्षेत्र में भूस्खलन से तीन सौ लोगों की मौत।

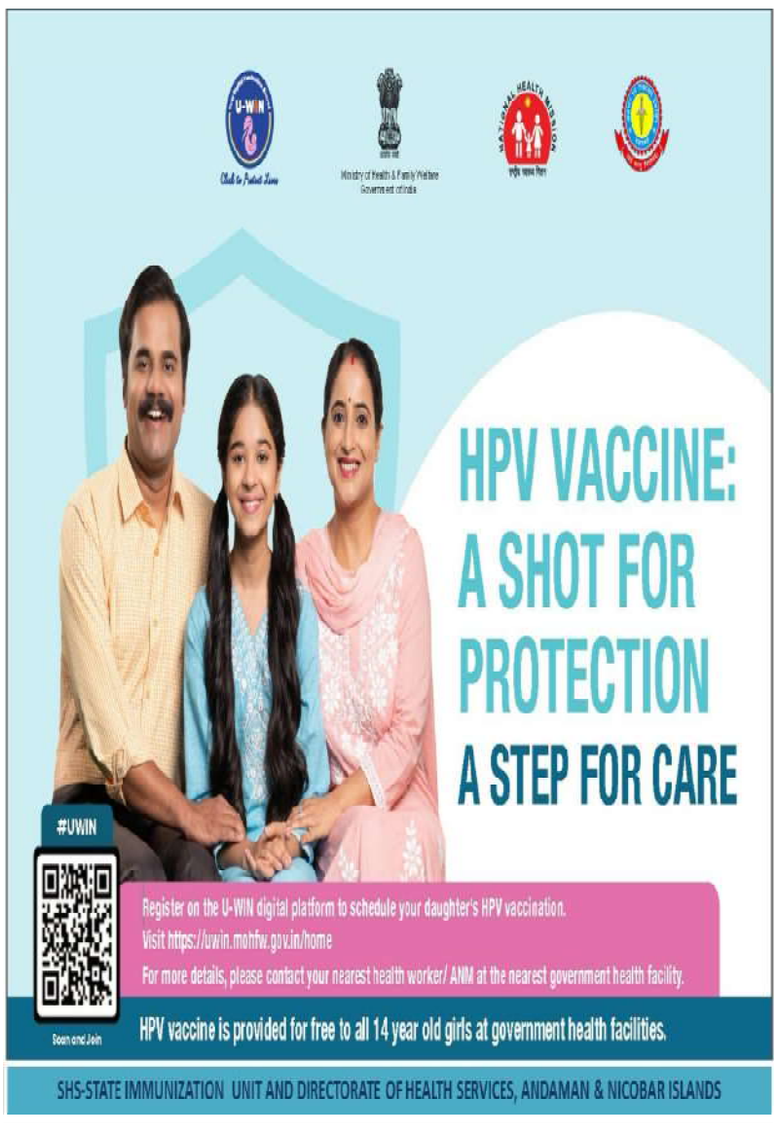

शपथ पत्र

मैं, नागासेल्वम टी., पुत्र थिरुप्पाथी, निवासी मक्कापहाड़ गांव, बिडनाबाद, श्री विजय पुरम तहसील, दक्षिण अण्डमान जिला, विधिवत शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करता हूँ :–

1. कि मैं इन द्वीपों का स्थायी निवासी हूँ तथा उपरोक्त पते पर निवास कर रहा हूँ।
2. कि मेरे पुत्र एन. साई धर्शिक का जन्म दिनांक 25.02.2021 को हुआ था तथा उसका जन्म प्रमाण पत्र पंजीकरण संख्या B-2021:33-15396-000023 दिनांक 27.02.2021 के अंतर्गत जारी किया गया है।
3. कि मेरे पुत्र के उक्त जन्म प्रमाण पत्र में मेरा नाम गलती से "नागासेल्वम" अंकित हो गया है, जबकि मेरा सही नाम "नागासेल्वम टी." है तथा मेरी पत्नी का नाम भी गलती से "सुगन्या" अंकित हो गया है, जबकि उनका सही नाम "सुगन्या रामानाथन" है, जो हमारे आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में दर्ज है।
4. कि मेरा वास्तविक एवं सही नाम "नागासेल्वम टी." है तथा मेरी पत्नी का वास्तविक एवं सही नाम "सुगन्या रामानाथन" है।
5. कि "नागासेल्वम" एवं "नागासेल्वम टी." एक ही एवं समान व्यक्ति हैं तथा "सुगन्या" एवं "सुगन्या रामानाथन" भी एक ही एवं समान व्यक्ति हैं।
6. कि मैं यह शपथ पत्र अपने नाम तथा अपनी पत्नी के नाम में मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में आवश्यक संशोधन करवाने के उद्देश्य से प्रस्तुत कर रहा हूँ, जो सभी प्रयोजनों हेतु आवश्यक है।

उपरोक्त कथन मेरे सर्वोत्तम ज्ञान एवं विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही हैं।

स्थानः श्री विजय पुरम

शपथकर्ता

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, होप टाउन की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/आर आर/2026–27/13

कार्य का नाम : होप टाउन ग्राम पंचायत के अंतर्गत नार्थ बे वार्ड न. 1, 2 और 3 में स्थित 05 सी सी फुटपाथों की मरम्मत और रखरखाव।

1. चुन्ना भट्टा स्कूल के पास होप टाउन ग्राम पंचायत की नवगठित भूमि तक मुख्य सड़क से जाने वाले सी सी फुटपात की मरम्मत और रखरखाव।
2. नार्थ बे 1 में मौजूदा ग्राम सड़क से मौजूदा फुटपाथ (सुबेधर घर के पास) तक सी सी रोड और रिटेनिंग वॉल की मरम्मत और रखरखाव।
3. नार्थ बे 1 में जॉन के घर से इग्नासस के घर तक जाने वाले सी सी फुटपाथ और ड्रेन की मरम्मत और रखरखाव।
4. नार्थ बे 3 में सी. एच. सत्यम के घर से जी. वोलम्मा के घर तक जाने वाले फुटपाथ, रिटेनिंग वॉल और ड्रेन की मरम्मत और रखरखाव।
5. नार्थ बे 3 में बी. पोलम्मा के घर से एस. नायकन्ना के घर तक जाने वाले फुटपाथ की मरम्मत और रखरखाव।

अनुमानित लागत : रु. 10,62,363/–, धरोहर राशि : रु. 21,247/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (04) चार माह।

निविदा शुल्क : 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 15/05/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी 2026_RDPRI_22931_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, रबींद्र नगर, लिटिल अण्डमान की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारों से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/आर आर/2026–27/36

कार्य का नाम : लिटिल अण्डमान, रबींद्र नगर, ग्राम पंचायत के अंतर्गत रबींद्र नगर वार्ड न. 05 में गीता रॉय से होरेन बिस्वास तक ब्लाक टॉप रोड।

अनुमानित लागत : रु. 22,32,374/–, धरोहर राशि : रु. 44,647/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (08) आठ माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 15/05/2026 के सायं 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_22943_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता के दौरान एमएसएमई सहयोग को बढ़ावा देने की तैयारी में

नई दिल्ली, 08 मई। ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालने के दौरान भारत 2026 में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को नई दिशा देने की तैयारी कर रहा है। इसके साथ ही भारत ब्रिक्स पार्टनरशिप ऑन न्यू इंडस्ट्रियल रिवोल्यूशन (पार्ट एनआईआर) के तहत एमएसएमई सहयोग के लिए एक नए एजेंडे का भी नेतृत्व कर रहा है। भारत की अध्यक्षता के दौरान सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय को तीन एसएमई कार्य समूह बैठकों और पहली ब्रिक्स एमएसएमई फोरम आयोजित करने की जिम्मेदारी दी गई है। पहली एसएमई कार्य समूह बैठक 24 अप्रैल को ऑनलाइन हुई, जिसका मुख्य विषय एमएसएमई के लिए वित्त तक पहुंच रहा। इस वेबिनार में ब्रिक्स सदस्य देशों ने सक्रिय भागीदारी की। यह मंच एमएसएमई वित्तपोषण से जुड़ी चुनौतियों और अवसरों पर अनुभव और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं के आदान–प्रदान का महत्वपूर्ण माध्यम बना।

चर्चा के दौरान इस बात पर जोर दिया गया कि एमएसएमई आर्थिक वृद्धि, रोजगार सृजन, नवाचार और समावेशी विकास के प्रमुख आधार हैं। साथ ही समय पर और पर्याप्त ऋण उपलब्ध न होने जैसी लगातार बनी रहने वाली चुनौतियों को भी रेखांकित किया गया। बैठक में इस बात पर बल दिया गया कि ऋण अंतर को कम करने के लिए बहुआयामी रणनीति अपनाने की जरूरत है।

वायु सेना व डीआरडीओ ने ग्लाइड वेपन सिस्टम का सफल परीक्षण किया

नई दिल्ली, 08 मई।

भारत ने स्वदेशी हथियार प्रणाली 'टैक्टिकल एडवांस्ड रेंज ऑगमेंटेशन' (टारा) का पहला सफल उड़ान परीक्षण किया है। यह परीक्षण 07 मई को ओडिशा तट के पास रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन यानी डीआरडीओ व भारतीय वायुसेना ने किया है। दरअसल टारा एक विशेष 'ग्लाइड वेपन सिस्टम' है। यह सिस्टम सामान्य बिना–मार्गदर्शन वाले बमों और वारहेड को अत्याधुनिक 'प्रिसिजन गाइडेड' हथियार में बदल देता है।

आसान शब्दों में कहें तो अब साधारण हथियार भी लक्ष्य पर पहले के मुकाबले ज्यादा सटीकता से हमला कर सकेंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इस नई प्रणाली के जरिए काफी कम लागत में दुश्मन के जमीनी ठिकानों को अधिक प्रभावी तरीके से नष्ट किया जा सकेगा। डीआरडीओ के हैदराबाद स्थित रिसर्च सेंटर इमारत ने अन्य प्रयोगशालाओं के साथ मिलकर इस प्रणाली को विकसित किया है।

टारा की खास बात यह है कि यह अत्याधुनिक लेकिन कम लागत वाली तकनीक का उपयोग करता है। इसके जरिए हथियार की मारक क्षमता और निशाने की सटीकता दोनों बढ़ती हैं। इस परियोजना में भारतीय उद्योगों की भी महत्वपूर्ण भागीदारी रही। 'डेवलपमेंट कम प्रोडक्शन पार्टनर्स' यानी डीसीपीपी और अन्य भारतीय कंपनियों ने इसके विकास में सहयोग किया है। अब इस प्रणाली के उत्पादन का काम भी शुरू हो चुका है।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने टारा के इस सफल परीक्षण पर डीआरडीओ, भारतीय वायुसेना और उद्योग जगत को बधाई दी है। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमता को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। वहीं, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने भी इस उपलब्धि पर वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और सभी टीमों को शुभकामनाएं दीं। विशेषज्ञों के अनुसार, टारा जैसी स्वदेशी प्रणाली भारतीय वायुसेना को भविष्य के युद्ध अभियानों में अधिक सटीक और कम लागत वाला विकल्प देगी। इससे विदेशी तकनीक पर निर्भरता भी कम होगी और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को मजबूती मिलेगी।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन यानी डीआरडीओ व भारतीय नौसेना ने मिलकर नेवल एंटी–शिप मिसाइल, शॉर्ट रेंज (एनएएसएम–एसआर) का सफल सल्वो लॉन्च भी किया था। यह परीक्षण बंगाल की खाड़ी में ओडिशा के तट के पास किया गया। इसे समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है। खास बात यह रही कि पहली बार एक ही हेलिकॉप्टर से बेहद कम समय में दो नेवल एंटी–शिप मिसाइलें दागी गई थीं।

देश में पेट्रोल की कीमतें लगभग 94.77 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर

नई दिल्ली, 08 मई।

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के बावजूद भारत में पेट्रोल की कीमतें लगभग 94.77 रुपये प्रति लीटर बनी हुई हैं, जबकि जर्मनी, फ्रांस और यूके जैसे देशों में ये कीमतें लगभग 200 रुपये प्रति लीटर हैं।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने नई दिल्ली में अंतर–मंत्रालयी प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया की लगभग 20 फीसदी ऊर्जा हॉर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र से होकर गुजरती है, जिससे यह भारत के लिए बेहद अहम हो जाता है। भारत अपने कच्चे तेल का लगभग 40 फीसदी, एलपीजी का 90 फीसदी और प्राकृतिक गैस का 65 फीसदी हिस्सा मध्य–पूर्व से ही आयात करता है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक कीमतों में बढ़ोतरी के चलते कच्चे तेल की कीमत लगभग 70 डॉलर से बढ़कर लगभग 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है, जबकि एलपीजी की कीमतों में भी भारी उछाल आया है। उन्होंने कहा कि तेल विपणन कंपनियों को हो रहे नुकसान के बावजूद, भारत सरकार ने उत्पाद शुल्क में कटौती करके एलपीजी उत्पादन बढ़ाकर, पीएनजी कनेक्शन को बढ़ावा देकर और गैस की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करके उपभोक्ताओं को सुरक्षा प्रदान करने का काम किया है।

सुजाता शर्मा ने बताया कि भारत में पेट्रोल की कीमतें लगभग 94.77 रुपये प्रति लीटर बनी हुई हैं, जबकि जर्मनी, फ्रांस और यूके जैसे देशों में ये कीमतें लगभग 200 रुपये प्रति लीटर हैं। सरकार ने एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति भी

सुनिश्चित की है, जिससे किसी भी वितरक को किसी तरह की कमी का सामना नहीं करना पड़ा है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर खाड़ी क्षेत्र के साथ भारत का संपर्क उच्चतम स्तर पर जारी है। विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की यूएई यात्राओं के बाद विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने 7 मई, 2026 को संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया। भारत ने कतर और सऊदी अरब सहित अन्य खाड़ी साझेदारों के साथ भी संपर्क बनाए रखा।

उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान विदेश सचिव ने यूएई की राज्य मंत्री और भारत के लिए विशेष दूत, रीम अल हाशिमी के साथ बातचीत की और खलदून अल मुबारक से मुलाकात की। चर्चाओं का मुख्य केंद्र व्यापार, निवेश, रक्षा, फिनटेक, स्वास्थ्य सेवा और पश्चिम एशिया में क्षेत्रीय घटनाक्रम रहे।

हंतावायरस मामलों पर स्वास्थ्य मंत्रालय सतर्क, एहतियाती निगरानी उपाय सक्रिय

नई दिल्ली, 08 मई।

हंतावायरस के मामलों में कमी को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एहतियाती निगरानी उपाय सक्रिय कर दिए हैं। सूत्रों के अनुसार स्वास्थ्य मंत्रालय क्रूज जहाज एमवी होंडियस पर हंतावायरस संक्रमण के मामलों पर नजर रखा जा रहा है। यह राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम, विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरणों के समन्वय से किया जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियमों के अन्तर्गत विश्व स्वास्थ्य संगठन दृडब्ल्यू.एच.ओ द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, जहाज पर हंतावायरस संक्रमण के कुल आठ मामले सामने आए हैं। इनमें पांच मामलों की प्रयोगशाला में पुष्टि हो चुकी है और तीन मौतें भी हुई हैं। डब्ल्यूएचओ को इस घटना की सूचना इस महीने के पहले सप्ताह में दे दी गई थी। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, यह वायरस हंतावायरस का एंडीज स्ट्रेन है, जो मानव–से–मानव संचरण की सीमित क्षमता के लिए जाना जाता है। इसका प्रसार निकट और लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण होता है। डब्ल्यूएचओ ने वर्तमान सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम को कम बताया है। साथ ही यह भी संकेत दिया है कि संक्रमण की अपेक्षाकृत लंबी ऊष्मायन अवधि के कारण अतिरिक्त मामले सामने आ सकते हैं।

दो भारतीय नागरिक वर्तमान में पोत पर सवार हैं। दोनों व्यक्तियों में फिलहाल वायरस के कोई लक्षण नहीं हैं और स्थापित अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रोटोकॉल के अनुसार निगरानी में हैं।

एनसीडीसी के अंतर्गत सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालीन संचालन केंद्र ने स्थिति में हो रहे बदलावों को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक बुलाई। बैठक में स्थिति का आकलन किया गया और तैयारियों की समीक्षा भी की गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय सतर्क है और डब्ल्यूएचओ तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ घनिष्ठ समन्वय बनाए हुए है। भारतीय नागरिकों के स्वास्थ्य और कल्याण की रक्षा के लिए आवश्यक सार्वजनिक स्वास्थ्य उपाय भी किए जा रहे हैं।

भारत में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर, सर्वर, ड्रोन निर्माण में निवेश की संभावनाएं तलाश रहा गूगल

नई दिल्ली, 08 मई।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि इंटरनेट क्षेत्र की दिग्गज कंपनी गूगूल भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंफ्रास्ट्रक्चर, सर्वर और ड्रोन निर्माण के क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं तलाश रही है। वैष्णव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर गूगल के अधिकारियों के साथ अपनी मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए कहा कि कंपनी भारत में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के साथ–साथ इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के क्षेत्रों में भी अवसरों का आकलन कर रही है।

श्री वैष्णव ने कहा, "गूगल भारत में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और सर्वर तथा ड्रोन के निर्माण के क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं तलाश रहा है।" विशेषज्ञों के अनुसार, यह पहल देश में उभरते एआई इकोसिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब इसी वर्ष अप्रैल में

गूगल ने विशाखापत्तनम में अपने 15 अरब डॉलर के एआई हब की आधारशिला रखी थी। सरकार पहले से ही सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और एआई आधारित तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए कई नीतिगत कदम उठा रही है। गूगल की संभावित निवेश योजनाओं को इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

भारत की रक्षा रणनीति बदली, हमला होने पर 50 हजार जवानों की नई 'ड्रोन फोर्स' करेगी पहला प्रहार

नई दिल्ली, 08 मई।

ऑपरेशन सिंदूर के एक वर्ष पूरे होने पर भारत ने अपनी सैन्य क्षमता और भविष्य की रक्षा रणनीति का नया खाका प्रस्तुत किया है। पिछले वर्ष 6 से 10 मई के बीच चले 88 घंटे के इस अभियान ने न केवल पाकिस्तान को सैन्य मोर्चे पर कड़ा जवाब दिया, बल्कि भारतीय रक्षा तंत्र में व्यापक बदलाव की नींव भी रखी। रूस–यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के संघर्षों से मिले सबकों के आधार पर भारत अब आधुनिक युद्ध की चुनौतियों के लिए खुद को तेजी से तैयार कर रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर से मिले अनुभवों के बाद भारतीय रक्षा प्रतिष्ठान ने एक विशेष ड्रोन फोर्स गठित करने का निर्णय लिया है। यह फोर्स भविष्य के किसी भी सैन्य अभियान में 'फर्स्ट रिस्पॉन्डर' की भूमिका निभाएगी। एकीकृत रक्षा मुख्यालय के अनुसार, फिलहाल 50,000 सैन्य कर्मियों को इस नई प्रणाली के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। साथ ही अगले तीन वर्षों में 15 नए 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्थापित किए जाएंगे, जहां सिम्युलेटर और वर्चुअल रियलिटी तकनीक के माध्यम से रीयल–टाइम युद्ध प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस आधुनिक रक्षा तंत्र को वायुसेना के इंटीग्रेटेड एयर कमांड और सेना के 'आकाशतीर' सिस्टम का समर्थन मिलेगा। भविष्य में इस ड्रोन नेटवर्क से बीएसएफ और आईटीबीपी जैसे सुरक्षा बलों को भी जोड़ा जाएगा। सेना की योजना है कि प्रत्येक कोर में लगभग 8,000 ड्रोन शामिल किए जाएं और हर सैनिक के पास व्यक्तिगत ड्रोन उपलब्ध हो। बीते एक वर्ष में भारत ने रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। देश का रक्षा उत्पादन बढ़कर 1.54 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। ब्रह्मोस मिसाइल, जिसमें वर्ष 2015 तक केवल 15 प्रतिशत स्वदेशी पुर्जे इस्तेमाल होते थे, अब 72 प्रतिशत तक स्वदेशी हो चुकी है।

जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी डेटा साइंस काउंसिल ऑफ अमेरिका से मान्यता प्राप्त करने वाला भारत का पहला संस्थान बना

सोनीपत, 08 मई।

ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी (जेजीयू) भारत का पहला प्रतिष्ठित संस्थान बन गया है जिसे डेटा साइंस काउंसिल ऑफ अमेरिका (डीएएससीए) द्वारा मान्यता प्राप्त हुई है। डीएएससीए एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त मानक और प्रत्यायन निकाय है जो डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एनालिटिक्स के शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए उद्योग–अनुरूप मानदंड स्थापित करता है। यह मान्यता जेजीयू को उच्च शिक्षा के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र, यानी शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस के एकीकरण में अग्रणी स्थान पर मजबूती से स्थापित करती है।

यह मान्यता वर्ल्ड डेटा साइंस एंड एआई इनिशिएटिव (डब्ल्यूडीएसएआई) के तहत प्रदान की गई है, जो डीएएससीए के नेतृत्व वाला एक वैश्विक मंच है और विश्वविद्यालयों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानकीकृत मानकों को अपनाने में सहायता करता है। डब्ल्यूडीएसएआई मान्यता संबंधी सहायता, पाठ्यक्रम संरेखण सेवाएं और वैश्विक प्रमाणन मार्गों तक पहुंच प्रदान करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि जेजीयू के स्नातक न केवल अकादमिक रूप से उत्कृष्ट कौशल से लैस हों, बल्कि उद्योग के लिए भी तैयार हों और भविष्योन्मुखी हों। जेजीयू के सात प्रमुख एआई और डेटा साइंस से संबंधित कार्यक्रमों को डब्ल्यूडीएसएआई ढांचे के तहत डीएएससीए मानकों के साथ सफलतापूर्वक संरेखित किया गया है। मान्यता

प्राप्त कार्यक्रमों में शामिल हैं– एम.एससी. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस, बी.ए. एआई एंड लॉ, बीबीए (ऑनर्स) बिजनेस एनालिटिक्स, एम.डेस. (एआई–संचालित यूएक्स), एमबीए बिजनेस एनालिटिक्स, एमबीए बिजनेस एंड लॉ, एमबीए इन एआई फॉर बिजनेस।

डेटा साइंस काउंसिल ऑफ अमेरिका (डीएएससीए) एक वैश्विक मानक निकाय है जो डेटा साइंस और एआई में शैक्षणिक संस्थानों को मान्यता और पेशेवरों को प्रमाणन प्रदान करता है। यह छात्रों में डेटा एनालिटिक्स कौशल विकसित करने के लिए उद्योग–अग्रणी मानक, फ्रेमवर्क, प्रमाणन और मान्यता कार्यक्रम निर्धारित करता है। यह सम्मान प्राप्त करने वाला जेजीयू पहला प्रतिष्ठित संस्थान बनकर उभरा है, जो भारतीय उच्च शिक्षा में वैश्विक एआई और डेटा साइंस मानकों को एकी.त करने में अग्रणी के रूप में इसकी स्थिति को और मजबूत करता है।

राजस्थानः 700 एकड़ में फैला 7वीं सदी का यह किला, जिनकी बनावट से लेकर सुंदरता और इंजीनियरिंग है कमाल की

चित्तौड़, 08 मई।

राजस्थान के चित्तौड़ का चित्तौड़गढ़ किला समृद्ध विरासत और शौर्य की अमर गाथाओं का जीवंत प्रतीक है। 7वीं शताब्दी में निर्मित यह विशाल किला 700 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है, जो राजपूताना की अदम्य हिम्मत और गौरव का सबसे बड़ा प्रमाण माना जाता है। कहा जाता है कि महाभारत काल में पांडव वीर भीम के पैर पटकने से यहां एक जलाशय बन गया था, जिसे आज भीमताल कुंड के नाम से जाना जाता है। यह किला 180 मीटर ऊंची पहाड़ी की चोटी पर स्थित है। इसकी लंबाई करीब 6 किलोमीटर और चौड़ाई 1500 मीटर है।

किले की बाहरी दीवार 13 किलोमीटर लंबी है, जो पूरे परिसर को घेरे हुए है। इस प्राचीन किले में 65 ऐतिहासिक इमारतें मौजूद हैं, जिनमें 4 महल, 19 बड़े मंदिर, 20 जलाशय, कई स्मारक और विजय स्तंभ शामिल हैं। किले का निर्माण 7वीं सदी में मौर्य वंश के राजा चित्रांगद ने करवाया था। लोक मान्यताओं के अनुसार, भीम ने यहां अपने पैर से भूमि पर प्रहार किया था, जिससे पानी निकल आया और भीमताल का निर्माण हुआ।

खास बात है कि किले में प्रवेश के लिए सात भव्य द्वार बने हैं– राम पोल, लक्ष्मण पोल, पाडल पोल, गणेश पोल, जोरला पोल, भैरों पोल और हनुमान पोल। इनमें सबसे प्रमुख सूर्य पोल है, जो मुख्य प्रवेश द्वार के रूप में जाना जाता है।

चित्तौड़गढ़ किले ने इतिहास के तीन बड़ी घटनाओं का सामना किया। अलाउद्दीन खिलजी के आक्रमण, रानी पद्मिनी का जौहर और गौरा–बादल का बलिदान जैसी घटनाएं इस किले को वीरता और त्याग का प्रतीक बनाती हैं। राजपूत महिलाओं और पुरुषों ने यहां अपनी आन–बान और शान बचाने के लिए संघर्ष किया। किले की वास्तुकला बेहद आकर्षक है। बारीक नक्काशी, विशाल स्तंभ और मंदिरों की सुंदरता देखकर पर्यटक प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाते।

शाम को यहां होने वाला लाइट एंड साउंड शो किले के पूरे इतिहास को जीवंत कर देता है। शो में अलाउद्दीन खिलजी के हमले, रानी पद्मिनी के जौहर और राजपूत वीरता की गाथाएं रोशनी और ध्वनि के माध्यम से प्रस्तुत की जाती हैं। यह शो हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में रोजाना शाम 7 बजे से 8 बजे तक चलता है।

चित्तौड़गढ़ किले के पास फोर्ट रोड मार्केट भी पर्यटकों को आकर्षित करता है। यहां पारंपरिक राजस्थानी हस्तशिल्प, बांधनी कपड़े, कढ़ाई वाले परिधान, लकड़ी के खिलौने और मिट्टी के बर्तन आदि खरीदे जा सकते हैं। किले से करीब 15 किलोमीटर दूर नागरी गांव है, जिसका इतिहास 443 ईसा पूर्व तक जाता है। यह प्राचीन काल में माध्यमिका नाम से जाना जाता था और मौर्य–गुप्त काल में समृद्ध रहा।

इसके अलावा, रावतभाटा में स्थित बरोली मंदिर समूह 9वीं शताब्दी की गुर्जर–प्रतिहार शैली का उत्कृष्ट नमूना है। चित्तौड़गढ़ किला सिर्फ एक पुरानी इमारत नहीं, बल्कि राजपूत संस्कृति, वीरता और बलिदान की जीती–जागती किताब है। इतिहास प्रेमी और पर्यटक यहां बड़ी संख्या में आकर राजपूताना की शान और गौरव को करीब से महसूस करते हैं। चितौड़ तक पहुंचने के लिए प्रमुख हवाई अड्डा महाराणा प्रताप हवाई अड्डा (यूडीआर) उदयपुर है। वहीं, निकटतम रेलवे स्टेशन चित्तौड़गढ़ जंक्शन रेलवे स्टेशन (सीओआर) है।–आईएएनएस

सर्पदंश में गलत घरेलू उपाय जानलेवा, एक्सपर्ट से जानें क्या करें, क्या नहीं

नई दिल्ली, 08 मई।

बेमौसम बरसात या ग्रामीण इलाकों में सांप का निकलना आम बात है। वहीं, कई बार सर्पदंश या सांप काटने की स्थिति नजर आती है, जो जानलेवा भी हो सकती है। एक्सपर्ट बताते हैं कि सर्पदंश वास्तव में एक गंभीर मेडिकल इमरजेंसी है। घबराहट में या गलत घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल करने से स्थिति और बिगड़ सकती है। सही जानकारी और तुरंत सही कदम उठाने से सर्पदंश के मरीज की जान बचाई जा सकती है।

नेशनल हेल्थ मिशन का कहना है कि सर्पदंश के मामले में समय सबसे महत्वपूर्ण है। देश में हर साल बड़ी संख्या में लोग सांप के काटने का शिकार होते हैं। कई बार लोग डर के मारे या झाड़–फूंक पर भरोसा करते हुए कीमती समय गंवा बैठते हैं, जिससे स्थिति गंभीर हो जाती है। सही समय पर उपचार मिलने से ज्यादातर मामलों में मरीज को बचाया जा सकता है।

सांप काटने पर घाव को साफ पानी से धोएं। मरीज से अंगूठी, कड़ा, जूता या कोई भी टाइट कपड़ा तुरंत हटा दें। मरीज को शांत रखें और ज्यादा हिलने–डुलने से बचाएं। बिना किसी देरी के नजदीकी सरकारी अस्पताल पहुंचें। हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि सांप काटने पर घाव पर चीरा न लगाएं। घाव पर कसकर पट्टी या बंधन न बांधें। जहर चूसने की कोशिश कभी न करें। झाड़–फूंक, देशी नुस्खे या किसी भी तरह के घरेलू उपाय पर समय बर्बाद न करें।

सर्पदंश के बाद सबसे बड़ा खतरा घबराहट और गलत

इलाज से होता है। जहर शरीर में तेजी से फैल सकता है, इसलिए मरीज को जितना हो सके कम हिलाएं। घाव को चीरा लगाने या जहर चूसने से संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है और स्थिति और खराब हो सकती है।

ऐसे में स्वास्थ्य विभाग की सलाह है कि सांप काटने पर तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल जाएं जहां एंटी–वेनम सीरम और जरूरी इलाज उपलब्ध होता है। निजी क्लिनिक या घरेलू उपचार पर भरोसा करने की बजाय सरकारी अस्पताल जाना ज्यादा सुरक्षित है।

सांपों वाले इलाकों में सतर्क रहें। रात के समय चलते समय टॉर्च का इस्तेमाल करें और लंबी घास या अंधेरी जगहों से बचें। अगर सांप दिख जाए तो उसे छेड़ें नहीं, दूर हट जाएं। सर्पदंश एक मेडिकल इमरजेंसी है। घबराहट की बजाय शांत रहकर सही कदम उठाएं तो जान बचना तय है।–आईएएनएस